भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 451

गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह का अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकास

451 श्री ए. डी. सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं है;

(ख) यदि हां, तो किस सीमा तक इसका विकास किया जा सकता है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की क्या स्थिति रही है; और

(घ) अंडमान और निकोबार को एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाने के लिए इसको और अधिक हवाई और समुद्री मार्गों से जोड़ने और अन्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): जी हां, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक गंतव्य के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत 27.57 करोड़ रु. की राशि से 'लॉन्ग द्वीप-रॉस स्मिथ द्वीप-नील द्वीप-हैवलॉक द्वीप-बाराटांग द्वीप-पोर्ट ब्लेयर का विकास' नामक तटीय परिपथ परियोजना को मंजूरी दी थी और यह परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो गई है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्यक्षेत्र में पर्यटकों के बेहतर और सुगम यात्रा अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय निरंतर गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य करता है जिसके फलस्वरूप, गृह मंत्रालय ने अंडमान और निकोबार द्वीप

समूह संघ राज्यक्षेत्र के चिह्नित द्वीपों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी) में और 5 वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 31.12.2027 तक छूट प्रदान की है जो कि अधिसूचित की गई कुछ शर्तों के अध्यधीन है।

देश में क्रूज पर्यटन की क्षमता का लाभ लेने के लिए, सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता और सचिव (शिपिंग) की सह-अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है। कार्यबल में पत्तनों, स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, कस्टम, सीआईएसएफ, तटीय राज्यों आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं।

"नागर विमानन मंत्रालय ने नागर विमानन क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराया है। पोर्ट ब्लेयर को 18 पर्यटक गेटवे गंतव्यों की सूची में शामिल किया गया है, जहां से भारतीय विमान और 5 सार्क देशों (बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका) और 10 आसियान देशों (सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, इंडोनेशिया, म्यांमार, कंबोडिया, फिलीपींस और लाओस) के विमान हवाई अड्डे पर स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर असीमित रूप से आवाजाही कर सकते हैं। हालांकि, भारत में किसी भी स्थान से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करना एयरलाइंस का एक नितांत वाणिज्यिक निर्णय है, जो कि मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों पर आधारित होता है।"

पिछले तीन वर्षों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन का विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	**घरेलू**	**विदेशी**
2021	126238	1690
2022	235061	4461
2023	323619	9025
स्रोत: अंडमान और निकोबार पर्यटन विभाग		

*****